स्नातकोत्तर राजकीय महाविद्यालय, सेक्टर –46, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ साहित्य अकादमी,चण्डीगढ़ के तत्वावधन में हिन्दी–विभाग द्वारा आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

'संत परम्पराः सात्विक प्रयोग,प्रयोजन एवं प्रादुर्भाव'

दिनॉक 3.3.2017

कार्यक्रम

पंजीकरण : पूर्वाह्न 8.30 से 10.00 तक।

उदघाटन सत्रा : पूर्वाहन् 10.00 से 12.00 बजे तक।

स्वागत वक्तव्य : डॉ. बी. पी. यादवः प्राचार्य, स्नातकोत्तर राजकीय महाविद्यालय, सेक्टर– 46, चण्डीगढ़।

बीज वक्तव्य : प्रोफेसर लालचन्द गुप्त मंगल, कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय, हरियाणा।

विशिष्ट वक्ता : डॉ. अशोक सभ्रवाल, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़।

विशेष अतिथिः डॉ. जसपाल सिंह, सचिव, चण्डीगढ़ साहित्य अकादमी,चण्डीगढ़

विशिष्ट अतिथि : श्रीमान माध्व कौशिक, उपाध्यक्ष, चण्डीगढ़ साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।

मुख्य वक्ता : प्रो. हुकुमचन्द राजपाल, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला

आभार : प्रोफेसर सुखदेव सिंह मिन्हास, अध्यक्ष ,हिन्दी विभाग, स्नातकोत्तर राजकीय महाविद्यालय .सेक्टर– 46, चण्डीगढ़।

भोजनावकाश : अपराहन् 12.30 से 1.00 बजे तक।

तकनीकी सत्रा : अपराहन् 1.00 बजे से अपराहन् 4.30 बजे तक।

अध्यक्ष : प्रोफेसर चमनलाल गुप्त, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।

विशेष अतिथि : डॉ. अनीता खोसला, डॉ. नीरजा सूद, डॉ. मनीषा प्रियंवदा।

समापन सत्राः अपराहन् 4.30 से 5.00 बजे तक।